

## **IIMA PRESS RELEASE 2014-15**



### **3<sup>rd</sup> IIMA Summer School goes international**

IIMA, May 28, 2014: The Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIMA) is hosting its 3rd annual edition of Summer School from June 2 – 7, 2014. This edition offers doctoral students, researchers & faculty across the globe an opportunity to learn specialised research methods.

The current summer school is a student backed and institute supported initiative. It attracted approximately 300 applications out of which 80 have been selected through a rigorous selection process. Amongst the 80 applicants, 11 are overseas candidates from SAARC countries.

The event prides itself as an event which has grown strong in terms of funding, partners and participants over the years. Every year, the institute aims to introduce the participants to research method courses via the experts from premier institutes and organisations, said *Prof. Arnab K. Laha*, Faculty Co-ordinator, Summer School. It provides an opportunity for participants to interact and collaborate for future research prospects.

The event brings together two parallel tracks: Track -1 on Experiments in Business & Policy & Track -2 on Qualitative Research Methods. These tracks are conducted by instructors from IIMs, IITs, CLEAR (Regional Centers for Learning on Evaluation and Results) and a research scholar from Duke University. The instructors for the workshops are: Prof. Ankur Sarin, Ms. Diva Dhar, Mr. Jose Carrasco, Prof. Mona Mehta, Prof. Pavan Mamidi, Prof. Rama Mohana Turaga, Prof. Sharon Barnhardt, Prof. Sunil Sharma, Prof. Vaibhavi Kulkarni, Prof. Vijaya Sherry Chand & Prof. Vishal Gupta. Track -1 is being funded by CLEAR at J-PAL (Abdul Latif Jameel Poverty Action Lab) South Asia at IFMR (Institute for Financial Management and Research); an organisation committed to research in strengthening monitoring & evaluation (M&E) and performance management (PM) capacities in South Asian Countries and Track -2 is being sponsored by IIMA.

The pedagogy for both the tracks will comprise of lecture series, in-class demonstrations, in-class discussions, presentations and field visits. Although, academically rigorous, the event will also facilitate informal interactions amongst the participants through other activities and events. The student co-ordinator of Summer School, *Deepika Saluja*, informs that the event will include lighter activities such as a documentary screening, a *Stress Audit* Workshop by *Prof. D.M. Pestonjee*, Chair Professor, PDPU, Gandhinagar and a Heritage Walk by the Institute's *Heritage Club*.

For further information, kindly visit our website: [www.ss-iima.com](http://www.ss-iima.com)

## आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2014-15



### आईआईएमए का तीसरा ग्रीष्मकालीन स्कूल अंतरराष्ट्रीय हुआ

आईआईएमए, 28 मई, 2014 : भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद (आईआईएमए) 2-7 जून, 2014 के दौरान अपने ग्रीष्मकालीन स्कूल के तीसरे वार्षिक संस्करण की मेजबानी कर रहा है। यह संस्करण डॉक्टरेट छात्रों, शोधकर्ताओं एवं संकायों को विश्वभर में विशेषीकृत अनुसंधान तरीकों को सीखने का अवसर उपलब्ध करायेगा।

वर्तमान ग्रीष्मकालीन स्कूल छात्रों द्वारा समर्थित और संस्थान के सहयोग की पहल है। इसमें लगभग 300 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 80 का चयन एक कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। इन 80 आवेदनकर्ताओं में 11 सार्क (एसएएआरसी-दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ) देशों से आये विदेशी उम्मीदवार हैं।

वर्षों से यह कार्यक्रम वित्त पोषण, भागीदारों और प्रतिभागियों के संदर्भ में काफी मजबूती से विकसित होने के कारण गौरव महसूस कराता आया है। ग्रीष्मकालीन स्कूल के संकाय समन्वयक प्रोफेसर अर्नब के. लाहा ने बताया कि, "प्रति वर्ष, हमारा संस्थान अग्रणी संस्थानों और संगठनों की तरफ से आये विशेषज्ञों के द्वारा अनुसंधान विधि पाठ्यक्रम से प्रतिभागियों को परिचित कराने का उद्देश्य रखता है।" भावि अनुसंधान संभावना के लिए बातचीत और मिलकर कार्य करने के लिए प्रतिभागियों को ग्रीष्मकालीन स्कूल अवसर उपलब्ध कराता है।

यह कार्यक्रम दो समानांतर तरीकों को साथ मिलाने का कार्य करता है : ट्रेक-1, व्यापार और नीति के प्रयोगों पर और ट्रेक-2, गुणवत्तात्मक अनुसंधान विधियों पर। ये ट्रेक आईआईएम, आईआईटी, 'क्लीयर' (क्षेत्रीय मूल्यांकन व परिणाम लक्षित अध्ययन केन्द्र) की तरफ से प्रशिक्षकों और इयूक युनिवर्सिटी के एक अनुसंधान विद्वान द्वारा आयोजित हुए हैं। कार्यशालाओं के लिए प्रशिक्षक हैं : प्रोफेसर अंकुर सरीन, सुश्री दिवा धर, श्री जोस कारास्को, प्रोफेसर मोना मेहता, प्रोफेसर पवन मामिडी, प्रोफेसर राम मोहन तुरागा, प्रोफेसर शेरॉन बार्नार्त, प्रोफेसर सुनील शर्मा, प्रोफेसर वैभव कुलकर्णी, प्रोफेसर विजय शरी चंद एवं प्रोफेसर विशाल गुप्ता। ट्रेक-1 को जे-पाल से (अब्दुल लतीफ जमील निर्धनता अभियान प्रयोगशाला) 'क्लीयर' द्वारा तथा दक्षिण एशिया से दक्षिण एशियाई देशों में निगरानी व मूल्यांकन (एम व ई) और कार्यनिष्पादन प्रबंधन (पीएम) में अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध संगठन आईएफएमआर (वित्तीय प्रबंधन व अनुसंधान संस्थान) द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है और ट्रेक-2 को आईआईएमए द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है।

दोनों ट्रेकों के लिए अध्यापन-शास्त्र में व्याख्यान श्रृंखलाएँ, वर्गखंड में प्रदर्शन, प्रस्तुतियाँ और क्षेत्रीय दौरे शामिल हैं। शैक्षणिक रूप से कठोरता के बावजूद भी, इस कार्यक्रम में अन्य गतिविधियों व कार्यक्रमों के साथ प्रतिभागियों के बीच अनौपचारिक बातचीतों की भी सुविधा दी जाती है। ग्रीष्मकालीन स्कूल की छात्र समन्वयक सुश्री दीपिका सलुजा ने बताया कि, इसमें दस्तावेजी प्रसारण, पीडीपी युनिवर्सिटी-गाँधी नगर के अध्यक्ष प्रोफेसर डी.एम. पेस्तनजी द्वारा स्ट्रैस आडिट कार्यशाला और संस्थान के हैरिटेज क्लब द्वारा हैरिटेज वाक जैसी हल्की-फुल्की गतिविधियाँ भी शामिल होंगी।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी इस वेबसाइट पर संपर्क करें : [www.ss-iima.com](http://www.ss-iima.com)